हिसार जिला

1. हिसार जिला एक नज़र में

जिले की स्थापना	1 नवम्बर 1966
शहर की स्थापना	1354 ई. में फिरोज शाह तुगलक द्वारा
हिसार का अर्थ	किला या घेरा (अरबी/फारसी भाषा का शब्द)
क्षेत्रफल	2633.24 वर्ग किमी
प्राचीन नाम	फिरोज़ा-ए-हिसार, सुगंधक (अष्टाध्यायी में वर्णित)
उपनाम	मैग्नेट सिटी, स्टील/इस्पात सिटी, जिंदल नगरी
विधानसभा क्षेत्र	हिसार, उकलाना (आरक्षित), बरवाला, नलवा, आदमपुर
तहसील	हिसार, बरवाला, आदमपुर
उपतहसील	उकलाना, बालसमंद

hrgk.in

ध्यान दें: हिसार के कुल क्षेत्रफल में से 1349.76 वर्ग किमी क्षेत्र हांसी को दिया गया है — यह तथ्य परीक्षा में पूछा जा सकता है।

2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

इतिहास

पंजाब केसरी **लाला लाजपत राय** ने सन 1886 से 1892 तक हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान **नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू, पंडित मदन मोहन मालवीय** तथा **श्रीमती सरोजिनी नायडू** जैसी महान विभूतियों ने इस नगर में आकर जनसभाओं को संबोधित किया। यहाँ की जलवायु शुष्क है और गर्मियों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर

नागोरी गेट में स्थित इस प्रसिद्ध जैन मंदिर का निर्माण सन **1820** में हुआ था।

शिखर दुर्ग अग्रोहा

सन **1777** में महाराजा पटियाला के दीवान **नानूमल** द्वारा अग्रोहा टीले पर नगर की सुरक्षा हेतु बनवाया गया।

अग्रोहा धाम

मान्यता है कि अग्रोहा कभी महाराजा **अग्रसेन** के राज्य की राजधानी था। यहाँ महाराजा अग्रसेन मंदिर, कुलदेवी महालक्ष्मी मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर सहित कई धार्मिक स्थल हैं तथा **90 फुट ऊँची भगवान महावीर की प्रतिमा** स्थापित है। भाद्रपद अमावस्या को यहाँ बड़ा मेला लगता है; अग्रवाल समाज इसे अपना पाँचवाँ धाम मानता है।

अग्रोहा टीला

दिल्ली-हिसार-फाजिल्का राजमार्ग-09 पर स्थित यह प्राचीन स्थल चौथी शताब्दी तक फला-फूला। यहाँ मिले अवशेष **कुषाण काल से गुप्तकाल** तक के इतिहास की जानकारी देते हैं; टीले पर एक बौद्ध स्तूप परिसर भी खोजा गया है।

गुजरी महल

'बावड़ी' के नाम से भी जानी जाने वाली यह इमारत **फिरोजशाह तुगलक** ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए बनवाई थी, जो हिसार की निवासी थीं — ऐसी किंवदंती है।

लाट की मस्जिद

किले के भीतर फिरोजशाह तुगलक द्वारा बनवाई गई यह मस्जिद तुगलक स्थापत्य शैली का अनूठा नमूना है। इसके साथ स्थित स्तंभ (लाट) को **अशोक की लाट** बताया जाता है, जिसे फिरोजशाह कहीं और से लाकर यहाँ स्थापित करवाया माना जाता है।

प्राचीन गुम्बद

चौदहवीं शताब्दी में निर्मित यह गुम्बद सूफी फकीर **प्राणपीर बाबाशाह** से जुड़ा है, जिन्होंने भविष्यवाणी की थी कि गयासुद्दीन तुगलक एक दिन दिल्ली का बादशाह बनेगा।

जहाज कोठी

आयरलैंड के निवासी **जॉर्ज थॉमस** ने सन 1796 में अपनी रिहायश हेतु इसका निर्माण करवाया था। समुद्री जहाज जैसी दिखने वाली यह इमारत पहले 'जॉर्ज कोठी' कहलाती थी, बाद में 'जहाज कोठी' के नाम से प्रसिद्ध हुई। अब यहाँ क्षेत्रीय पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित है।

hrgk.in

3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

ऐतिहासिक समयरेखा

- **1354** हिसार शहर की स्थापना फिरोज शाह तुगलक द्वारा हुई।
- **1777** दीवान नानूमल ने अग्रोहा टीले पर शिखर दुर्ग बनवाया।
- **1796** जॉर्ज थॉमस ने अपनी रिहायश के लिए जहाज कोठी बनवाई।
- **1820** नागोरी गेट में श्री दिगम्बर जैन मंदिर का निर्माण हुआ।
- **1886–92** लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया।
- **1963** उत्तरी प्रादेशिक फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं जांच संस्थान की शुरुआत हुई।
- **1966** हिसार जिले की औपचारिक स्थापना हुई (1 नवम्बर)।
- **1969–70** इंडो ऑस्ट्रेलियन भेड़ प्रजनन फार्म की स्थापना हुई।
- **2 फर 1970** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया (अब चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय)।
- **1974–75** इंडो ऑस्ट्रेलियन लाइव स्टॉक फार्म की स्थापना हुई।
- **1978** लघु सचिवालय भवन का निर्माण हुआ।
- **1 फर 1985** केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान की स्थापना हुई।
- **1986** 7वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र की स्थापना हुई।
- **26 फर 1986** हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसेक) की स्थापना हुई।
- **20 अक्टू 1995** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
- **1 दिस 2010** लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रशासनिक संस्थान

- **लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय** – स्थापना 1 दिसम्बर 2010; नया परिसर 300 एकड़ भूमि पर बन रहा है।
- **राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र** – 7वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित; अश्वों के स्वास्थ्य व उत्पादन पर अनुसंधान करता है।
- **केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान** – स्थापना 1 फरवरी 1985; भैंसों की नस्ल सुधार व स्वास्थ्य प्रबंधन पर अनुसंधान करता है।
- **उत्तरी प्रादेशिक फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं जांच संस्थान** – सन 1963 में प्रशिक्षण संस्थान के रूप में शुरू हुआ; कृषि यंत्रों की जांच व प्रमाणन भी करता है।

hrgk.in

- **हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसेक)** – 26 फरवरी 1986 को स्थापित; चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित; अंतरिक्ष तकनीक व GIS के माध्यम से संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है।
- **इंडो ऑस्ट्रेलियन लाइव स्टॉक फार्म** – स्थापना 1974–75, ऑस्ट्रेलिया सरकार के सहयोग से; 500 एकड़ में जर्सी, फ्रीज़ियन व क्रॉस नस्ल के पशु।
- **इंडो ऑस्ट्रेलियन भेड़ प्रजनन फार्म** – स्थापना 1969–70, ऑस्ट्रेलियन सरकार के सहयोग से; लगभग 2000 हेक्टेयर भूमि पर विकसित।
- **चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय** – 2 फरवरी 1970 को अस्तित्व में आया; प्रथम कुलपति एच.एल. फ्लेचर रहे।
- **गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय** – स्थापना 20 अक्टूबर 1995; UGC द्वारा A-ग्रेड तथा हरित परिसर का सम्मान प्राप्त।
- **लघु सचिवालय** – हिसार-राजगढ़ मार्ग पर स्थित चार मंजिला भवन; निर्माण वर्ष 1978।

hrgk.in